रंग लाई सरकारी योजना विद्यार्थियों को मिला रोजगार

प्रियंका दुबे मेहता, गुड़गांव

वोकेशनल कोर्सों को जब लागू किया जा रहा था तो सरकार को आशाएं तो थी लेकिन इतनी जल्दी योजना रंग लाएगी इसकी उम्मीद तो शायद सरकार को भी नहीं थी। स्कूलों में शैक्षणिक सत्र 2011-12 में 8 जिलो के 40 स्कूलों में वोकेशनल कोर्स (जिसमें गुड़गांव भी शामिल था) बतौर पायलट प्रोजेक्ट शुरू किया गया था। ऐसे में इन स्कूलों के विद्यार्थियों का प्लेसमेंट हो गया है व उन्हें रोजगार मिल गया है। गुड़गांव, फरीदाबाद, बल्लभगढ़ व पटौदी के इन स्कूलों में शहर के सुशांत लोक स्थित माडल संस्कृति स्कूल के विद्यार्थी भी शामिल है। एनवीईक्यूएफ (नेशनल वोकेशनल एजुकेशनल क्वालीफिकेशन फ्रेमवर्क) के तहत शुरुआत में वोकेशनल कोर्स के चार ट्रेड शुरू किए गए थे जिसमें स्कूलों को किसी दो ट्रेड को चलाना था। अब इन्हीं कोर्स को पूरा करने वाले विद्यार्थियों को रोजगार दिया जा रहा है। इन कोर्सों में आईटी, रिटेल, सिक्योरिटी व आटोमोबाइल शामिल है। एनएसडीसी (नेशनल स्किल डेवलपमेंट काउंसिल) ने रोजगार देने की यह पहल की है। एनवीईक्यूएफ के अतिरिक्त निदेशक केके अग्निहोत्री ने बताया कि जिन विद्यार्थियों ने इन कोर्सों के चारों लेवल सफलतापूर्वक पूरे कर लिए है व उनकी उम्र 18 वर्ष से ऊपर है उन्हें रोजगार दिया गया है। अभी यह शुरुआत है और जल्द ही एनएसडीसी को और बड़ा किया जाएगा ताकि उसमें और अधिक कंपनियां आ सकें और विद्यार्थियों को बेहतर संभावनाएं मिल सकें। उन्होंने बताया कि इन चार जिलों में जिन विद्यार्थियों को स्थानीय कंपनियों में काम करना था उन्हें तो रोजगार दे दिया गया है और जो बाहर के स्थानों पर नहीं जाना चाहते है या बेहतर कंपनियां चाहते है ।

> “अभी यह शुरुआत है। हरियाणा देश का पहला ऐसा प्रदेश है जहां वोकेशनल कोर्स स्कूलों में लागू किए गए हैं। यहां पर स्कूलों में चार लेवल पूरे हो गए। ऐसे में विद्यार्थियों को रोजगार भी मिल रहा है। इसी दिशा में आगे भी प्रयास किए जाएंगे ताकि विद्यार्थियों को बेहतरीन रोजगार अवसर मिल सकें व उनका स्किल विकसित हो सके।
>
> - केके अग्निहोत्री, अतिरिक्त निदेशक एनवीईक्यूएफ